लखनऊ | शनिवार | 02 मार्च 2019 जनमोर्चा

लखनऊ लाइव

टेलीमेडिसिन और टेली रेडियोलॉजी सेवा का लोकार्पण समारोह

यूपी में स्वास्थ्य सेवाओं का देशव्यापी असर : सीएम

लखनऊ, संवाददाता।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस राज्य में देश की आबादी का पांचवां हिस्सा जहां रहता हो वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पड़ेगा।

श्री योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलाजी सेवा का लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश सरकार आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा।

उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं। कई जिले विकास की धारा से अलग थे। उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ है। हमारे सामने समयस्या थी कि कई जिलों में कोई चिकित्सक जाना नही चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग ने उन पर काम किया। उसका परिणाम यह निकला कि वहां से

» प्रदेश में कम हुई है शिशु मृत्यु दर: रीता बहुगुणा

पलायन रुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब व्यक्ति को हॉस्पिटल नही जाना पड़ेगा। अब हॉस्पिटल गरीबो के घर पहुचेगा। यह सभी सुविधाएं एक मजबूत सुविधा देने के लिए किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यदि हम अच्छे आरोग्य केंद्र दे दे तो प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 15 नए मेडिकल कॉलेज केंद्र सरकार के सहयोग से बनाए जा रहे है। केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य के 53 जिलों को स्वास्थ्य सेवाओं घर घर तक पहुचानें को काम किया जा रहा है। श्री योगी ने इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन, आरोग्य केंद्र एवम एम सी एच विग, टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण किया। उन्होंने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड आरोग्य कार्ड का वितरण किया। उन्होंने कहा कि एक साथ बहुत सारी योजनायें प्रदेश की जनता को दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 55- 56 महीनो के दौरान केन्द्र सरकार तथा 23 महीनों से राज्य सरकार ने बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिये काम किया है। टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि, गोरखपुर, हमीरपुर, मिर्जापुर और बहराइच में कुल 15 टेलीमेडिसिन केंद्रों का शुभारंभ हुआ है। रेडियोलॉजिस्टो की कमी को देखते हुए प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर जिलों में कुल पंद्रह टेली रेडियोलॉजी केंद्रों का शुभारंभ किया गया। 750 और स्वास्थ्य उपकेंद्रों और संबंधित सवास्थ्य केंद्रों में आरोग्य केंद्र को लोकार्पित किया गया। महीने के अंत तक आरोग्य केंद्र के 2500 सेंटर खोले जाने की योजना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की अहम कड़ी आशा बहुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि, 712 एम्बुलेंस आज 108 में जोड़ी जा रही है। पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि, जब से श्री योगी ने सरकार की कमान संभाली है, तब से स्वस्थ्य विभाग को मजबूत करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में शिशु मृत्यु दर कम हुआ है। मातृ मृत्यु दर भी इस सरकार में कम हुई है। हर बीमारी का दर इस सरकार में कम हुआ है।

अब गरीबों के घर जा रहा अस्पताल : योगी

उद्घाटन

- सीएम योगी ने 250 आरोग्य केन्द्र व 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का किया उद्घाटन

लखनऊ। प्रभात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में 250 आरोग्य केन्द्रों का लोकार्पण और 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने जहां एएनएम को टेबलेट बांटी वहीं टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलोजी सुविधा का लोकार्पण किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, परिवार कल्याण मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी और राज्यमंत्री स्वाति सिंह भी उपस्थित रहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब अस्पताल गरीबों के घर जा रहा है। राज्य सरकार आधुनिक डिजिटल प्रणाली को अपनाकर लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य के लिए मोबाइल वैन की सुविधा शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी यूपी में है। केन्द्र और राज्य सरकार ने मिलकर काम किया और हर एक लक्ष्य को प्राप्त किया गया। स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं प्रदेश की जनता को दी गयीं। इसमें प्रशासनिक अफसरों

का बहुत योगदान रहा। एक टीम वर्क से काम किया गया। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मिलकर काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने अपने स्तर पर प्रयास किया। प्रदेश के 8 जिले काफी पिछड़े थे। यह जिले नेपाल सीमा से सटे हुए थे। सभी जिलों में विकास के काम कराये गये। विकास के लिए कमेटी गठित की गयी। केन्द और राज्य ने नोडल अफसर बनाए। अब श्रावस्ती में स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं।

स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि आज आठ परियोजनाओं का लोकार्पण किया जा रहा है। एएनएम को टेबलेट दी जा रही हैं। 15 जगहों पर यह सुविधाएं दी जा रही हैं। गांव के अंदर अब टोल फ्री नंबर से इलाज होगा। कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम हुआ है, मातृ मृत्यु दर में गिरावट आई है, संस्थागत प्रसव की संख्या भी बढ़ी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड और आरोग्य कार्ड बांटे।

घूस दिलाने वाले सीबीआई इंस्पेक्टर को कोर्ट में समर्पण का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की भूमि आवंटन घोटाले के आरोपियों तहसीलदार व उसके परिवार को बचाने के लिए बीस लाख रुपये घूस कांड के आरोपी सीबीआई के एएसआई सुनील दत्त को एक माह के लिए राहत दी है। कोर्ट ने याची को सीबीआई कोर्ट में एक माह में समर्पण कर जमानत अर्जी देने का निर्देश देते हुए कहा है कि कोर्ट अर्जी का यथाशीघ्र निर्णीत करे। कोर्ट ने कहा है कि यदि एक माह के भीतर जमानत नहीं मिल जाती तो सीबीआई कार्यवाही के लिए स्वतंत्र होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति विपिन सिन्हा तथा न्यायमूर्ति अजीत सिंह की खण्डपीठ ने सुनील दत्त की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। सीबीआई अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश का कहना था कि दो फरवरी 18 को प्राथमिकी दर्ज करायी है।

शनिवार
लखनऊ, 02 मार्च 2019

आज
लखनऊ-सिटी
लखनऊ, 2 मार्च, 2019

योगी ने जन आरोग्य अभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ,1 मार्च। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी के लोकभवन से मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने संबंधित लाभार्थियों के बीच गोल्डन कार्ड एवं आरोग्य कार्ड वितरण किया। इस दौरान उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और रीता बहुगुणा जोशी भी मौजूद रहीं। इस मौके पर उन्होंने कहा, टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर-दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। हमारे सामने समस्या ये आती थी कि उन जनपदों में कोई चिकित्सक जाना नहीं चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरू किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आवश्यक नहीं की मरीज डॉक्टर के पास जाए, हमारी कोशिश है डॉक्टर को मरीज के करीब ले जाए।योगी ने कहा,'दवाओं में खरीद में पहले बड़े-बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है।

कैनविज टाइम्स
शनिवार, 02 मार्च 2019 www.kanwhizztimes.com

आयुष्मान से छूटे लोगों को मिलेगा आरोग्य का कवर

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

सुविधा

- मुख्यमंत्री ने 250 आरोग्य केन्द्र का लोकार्पण व 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का किया उद्घाटन
- लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही सरकार

लखनऊ। आयुष्मान भारत योजना से छूटे लोगों को कवर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान का शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि, प्रदेश में आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं हो, इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी की भी इच्छा थी कि अगर यूपी की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। हमारे सामने समयस्या ये आती थी कि, उन जनपदों में कोई चिकित्सक जाना नहीं चाहता था, इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरू किया। स्वास्थ्य विभाग ने बेहतर तरीके से काम किया। उसका परिणाम यह निकला कि ,वहां से पलायन रुका।

स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि, आज गोरखपुर, हमीरपुर, मिर्जापुर और बहराइच में कुल 15 टेलीमेडिसिन केंद्रों का शुभारंभ हुआ। रेडियोलॉजिस्टो की कमी को देखते हुए प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर जनपदों में कुल पंद्रह टेली रेडियोलॉजी केंद्रों का शुभारंभ किया गया। 750 और स्वास्थ्य उपकेंद्रों और संबंधित सवास्थ्य केंद्रो में आरोग्य केंद्र को लोकार्पित किया गया। इस लोकर्पण कार्यक्रम में 8 योजनाओ का लोकर्पण व शुभारंभ किया गया है। अभी 2 हफ्ते पहले 3 योजनाओं की शुरुआत हुई थी। हमारा संकप पत्र कहता है कि, अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं जाए, इसके लिए सरकार लागतार काम कर भी रही है। मातृ व शिशु मृत्यु दर को भी कम करने का काम हमने

● शेष पेज 11 पर

सांध्य हलचल (हिन्दी दैनिक), लखनऊ शनिवार, 2 मार्च 2019

www.sandhyahalchalnews.com

अस्पताल को मरीज के पास लायी टेलीमेडिसिन तकनीक : मुख्यमंत्री

आयुष्मान से छूटे लोगों को मिलेगा मुख्यमंत्री आरोग्य का कवर, 15 टेलीमेडिसिन केंद्र व 15 टेली रेडियोलॉजी केंद्रों का शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूरदराज के इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में टेलीमेडिसिन को क्रांतिकारी कदम बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके जरिये सुदूर गांव में बैठे व्यक्ति को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जा सकती है। आयुष्मान भारत योजना से छूटे लोगों को कवर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान का शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि, प्रदेश में आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं हो, इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी की भी इच्छा थी कि अगर यूपी की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा। योगी ने यहां टेलीमेडिसिन/टेलीरेडियोलॉजी समेत विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहा,'' हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हम सबका दायित्व है। आपने देखा होगा कि अब हम कैसे टेलीमेडिसिन के जरिये दूर-दराज के क्षेत्रों में भी लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''केन्द्र सरकार द्वारा आंकक्षात्मक जिलों के रूप में चिह्नित 115 जिलों में से आठ उत्तर प्रदेश में हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या यही थी कि उन जिलों में डॉक्टर जाने को तैयार नहीं होते थे। मगर तकनीक का उपयोग करते हुए कैसे हम व्यापक परिवर्तन ला सकते हैं, यह टेलीमेडिसिन के जरिये सम्भव हुआ है। भले ही चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं हो, लेकिन टेलीमेडिसिन की वजह से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिली है। इससे बीमारी से मरने के आंकड़ों में कमी आयी है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जिलों में अपोलो अस्पताल के जरिये टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी। यह सुविधा बेहद प्रभावशाली और क्रांतिकारी हो सकती है। इस प्रकार की सुविधाओं के जरिये डॉक्टर को मरीज के नजदीक लाकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है। उन्होंने कहा,'' वर्ष 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री की भी अभिलाषा थी कि उत्तर प्रदेश में अगर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी देखने को मिलेगा। मुझे खुशी है कि विगत 55 महीनों के दौरान केन्द्र की मोदी सरकार और 23 महीनों की हमारी सरकार ने मिलकर उस लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी हद तक कामयाबी प्राप्त की है। आज भी परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह टीम वर्क का नतीजा है।'' (शेष पेज 4 पर)

DNA डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लखनऊ, शनिवार, 2 मार्च 2019

यूपी में अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं का दिखेगा राष्ट्रीय स्तर पर असर

लखनऊ (डीएनएन)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस राज्य में देश की आबादी का पांचवा हिस्सा जहां रहता हो वहां को लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होगी तो इसका असर राष्ट्रीय

स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पड़ेगा। योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश सरकार आमजन के स्तर पर दिखेगा। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं। कई जिले विकास की धारा से अलग थे। उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ है। हमारे सामने समयस्या थी कि कई जिलों में कोई चिकित्सक जाना नही चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग ने उन पर काम किया। उसका परिणाम यह निकला कि वहां से पलायन रुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब व्यक्ति को हॉस्पिटल नही जाना पड़ेगा। अब हॉस्पिटल

> • योगी ने कहा : टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूरदराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं

गरीबों के घर पहुंचेगा। यह सभी सुविधाएं एक मजबूत सुविधा देने के लिए किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यदि हम अच्छे आरोग्य केंद्र दे दे तो प्रदेश की स्वस्थ्य सुविधाओं को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 15 नए मेडिकल कालेज केंद्र सरकार के सहयोग से बनाए जा रहे हैं। (शेष पेज-2 पर)

स्वतंत्र भारत

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शनिवार, 2 मार्च , 20

यूपी में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा असर

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस राज्य में देश की आबादी का पांचवा हिस्सा जहां रहता हो वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पड़ेगा।

श्री योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश सरकार आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा।

उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है। कई जिले विकास की धारा से अलग थे। उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ है। हमारे सामने समयस्या थी ■ शेष पेज 15 पर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ग्राम्य वार्ता
ग्रामीण भारत का सजग प्रहरी
शनिवार, 2 मार्च, 2019
www.gramyawarta.com

ग्राम्य वार्ता
लखनऊ

सीएम ने 250 आरोग्य केन्द्र का लोकार्पण व 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का किया उद्घाटन

लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही सरकार

- हमने दवा खरीद में होने वाले ड़े खेल को रोकाः योगी

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज स्वास्थ्य विभाग को बड़ी सौगात दी। लोकभवन में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में 250 आरोग्य केन्द्रों का लोकार्पण और 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का उद्घाटन किया।

टेली-मेडिसिन व टेली-रेडियोलॉजी सेवा, 102 व 108 एंबुलेंस सेवा व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की। इन सभी के साथ योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्रों में कार्यरत जीएनएम व एएनएम कार्यकर्ताओं को टैबलेट भी

सिद्धार्थनाथ सिंह, परिवार कल्याण मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी और राज्यमंत्री स्वाति सिंह भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 750 रुपये बढ़ाने का ऐलान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्र के सहयोग से राज्य सरकार ने कार्य किया है।

उन्होंने कहा आज 750 आरोग्य केंद्र के साथ स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ प्रदेश में टेलीमेडिसिन व टेलिरेडियोलॉजी सेंटर का लोकार्पण किया। देश की आबादी का पांचवां भाग उत्तर प्रदेश में रहता है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर रहें। स्वास्थ्य विभाग की टीम को नीचे के स्तर से ऊपर तक अच्छा

के जरिए सुदूर अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सकती हैं। देश भर में 115 एस्पेरेशनल जिले चुने गए थे। इनमें भी उत्तर प्रदेश के आठ पिछड़े जिलों को हम पटरी पर लाए हैं। यहां डॉक्टर्स की कमी थी। टेलीमेडिसिन की मदद से इन जिलों में स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में दवाओं की खरीद में पहले बड़े

बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। पहले जिला अस्पतालों का कैसा हाल था लेकिन अब सुधार किए गए हैं। सूबे में 1947 से 2014 तक केवल 13 राजकीय मेडिकल कालेज थे और हम 15 नए मेडिकल कालेज बना रहे हैं। आने वाले समय मे बेहतर सुविधाएं होने जा रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश में

6 करोड़ लोगों को सीधा लाभ होने जा रहा है। प्रदेश के 21 जनपदों में दस-दस डायलसिस यूनिट देने का काम किया गया है। अब संसाधनों की कमी नही है। आशा व आंगनबाड़ी कर्मियों ने टीकाकरण अभियान को निचले स्तर तक ले जाने का काम किया है।

सीएम ने कहा कि अब एम्बुलेंस दिखनी चाहिए। लोगों को पांच से दस मिनट में सुविधा मिलनी चाहिए। हम तो गांव से बस्तियों तक एम्बुलेंस को पहुंचाने में लगे हैं। पहले की तुलना में रिस्पांस टाइम कम हुआ है। जरीब जब हॉस्पिटल में जाता है तो उसको डॉक्टर एयर पैरामेडिकल की सुविधा मिलनी चाहिए न कि दलालों की। हमने देखा कि मरीज को दलाल पास के प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजता है। आयुष्मान भारत योजना से इसमें

रोक लगी है। पेशेंट की ईलाज के बाद सम्मानजनक विदाई भी होनी चाहिए। इससे छवि बदलेगी। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि आज आठ परियोजनाओं का लोकार्पण किया जा रहा है। एएनएम को टेबलेट दी जा रही हैं। 15 जगहों पर यह सुविधाएं दी जा रही हैं। गांव के अंदर अब टोल फी नंबर से इलाज होगा।

कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री आज कई योजनाओं का शुभारंभ कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम हुआ है, मातृ मृत्यु दर में गिरावट आई है, संस्थागत प्रसव की संख्या भी बढ़ी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड और आरोग्य कार्ड बांटे।

अपना अखबार

Apnaakhbar.in शनिवार, 02 मार्च 2019

अपना अखबार राजधानी

मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ ने आशा कार्यकत्रियों के मान देयों में 750 रूपये कि वृद्धि की

स्वास्थ सम्बंधी सेवाओ का लोकापर्ण भी किया

ब्यूरो अपना अखबार

लखनऊ, 26 अक्तूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने टेली मेडिसिन आयोग्य केन्द्र एम सी एच विंग टेलली रेडियोलाजी व स्वास्थ सम्बंधी सेवाओं का आज लोक भवन में लोकापर्ण करते हुए आशा कार्य कत्रियों के मानदेय में 750 रूपये की बढ़ौतरी का एलान किया। मुख्य मंत्री ने इस मौके पर कहा कि मरीजे को घर बैठे ही इलाज मिल सकेगा और टेली मडिसिन के द्वारा विश्वस्तीय डाक्टर्स उनसे बातचीत के बाद इलाज की सलाह दे सकेंगे उन्होंने बताया इसके बाद दवाये एक्सरे व खून की जांच का मुआइना व रिपोर्ट की भी जांच आज की मार्डन टेक्नालाजी की मदद से इन डाक्टरों के पास भेज कर बीमारी व इलाज केइल्जाम किया जा सकेगा। इस मौके पर मुख्य मंत्री ने जन आरीजम अभियान सम्बंधित लाभाथियों को गोल्डन कार्ड अरोग्य कार्ड व मुख्य मंत्री के पत्र वितरित किये। उन्होने आरोग्य केन्द्रो पर तैनात जी एन एम और ए एन एम को टेबलेट वितरित किये।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में सूबे में मौजूद सरकारी हास्पिटल और वहां तैनान डाक्टर्स व स्टाफ के काम करने के तरीके में अभूतपूर्व सुधार आया है। और उन्हे गरीबों को बेहतर स्वास्थ देने के लिए यह चुनौती स्वीकार करनी होगी योगी ने बताया 102, 108 एम्बुलेन्स सेवा का तृतीय चरण की शुरु आत हो चुकी है। और इसके तहत सूबे में 2270 एम्बुलेन्स संचालित की जायेगी।

उन्होने कहा कि देश की आबादी का पांचवा हिस्सा यूपी में रहता है लिहाजा इस सूबे की सेहत का असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा।

सी एम ने एम्बुलेस सेवा क्रमियों को हिदायतें देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही नही बरती जानी चाहिए और उनकी गाडियां चौराहों पर खड़ी हो ताकि आमजन को दिखे उन्होने कहा कि इन एम्बुलेन्स में जी पी एस लगाया जा रहा है ताकि इनकी लोकेशन का पता चल सकें। इसे मुख्यालय में मानीटर किया जायेगा।

इस मौके पर स्वास्था मंत्री परिवार कल्याण सिद्धार्थ नाथ सिंह परिवार कल्याण मातृ एव शिशु एव पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी, चन्दौली एम पी महेन्द्र सिंह, स्वाती सिंह, चन्दौला एम पी महेन्द्र सिंह भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ग्राम्य वार्ता
ग्रामीण भारत का सशक्त प्रहरी
लखनऊ
शनिवार, 2 मार्च, 2019
www.gramyawarta.com

सीएम ने 250 आरोग्य केन्द्र का लोकार्पण व 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का किया उद्घाटन

लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रही सरकार

❖हमने दवा खरीद में होने वाले बड़े खेल को रोकाः योगी

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज स्वास्थ विभाग को बड़ी सौगात दी। लोकभवन में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में 250 आरोग्य केन्द्रों का लोकार्पण और 750 स्वास्थ्य उपकेन्द्र का उद्घाटन किया।

टेली-मेडिसिन व टेली-रेडियोलॉजी सेवा, 102 व 108 एंबुलेंस सेवा व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की। इन सभी के साथ योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्रों में कार्यरत जीएनएम व एएनएम कार्यकर्ताओं को टैबलेट भी दिया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, परिवार कल्याण मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी और राज्यमंत्री स्वाति सिंह भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 750 रुपये बढ़ाने का ऐलान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्र के सहयोग से राज्य सरकार ने कार्य किया है।

उन्होंने कहा आज 750 आरोग्य केंद्र के साथ स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ प्रदेश में टेलीमेडिसिन व टेलिरेडियोलॉजी सेंटर का लोकार्पण किया। देश की आबादी का पांचवां भाग उत्तर प्रदेश में रहता है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर रहें। स्वास्थ्य विभाग की टीम को नीचे के स्तर से ऊपर तक अच्छा काम करना होगा। अब टेलीमेडिसिन

के जरिए सुदूर अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सकती हैं। देश भर में 115 एस्पिरेशनल जिले चुने गए थे। इनमें भी उत्तर प्रदेश के आठ पिछड़े जिलों को हम पटरी पर लाए हैं। यहां डॉक्टर्स की कमी थी। टेलीमेडिसिन की मदद से इन जिलों में स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में दवाओं की खरीद में पहले बड़े बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। पहले जिला अस्पतालों का कैसा हाल था लेकिन अब सुधार किए गए हैं। सूबे में 1947 से 2014 तक केवल 13 राजकीय मेडिकल कालेज थे और हम 15 नए मेडिकल कालेज बना रहे हैं। आने वाले समय मे बेहतर सुविधाएं होने जा रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ लोगों को सीधा लाभ होने जा रहा है। प्रदेश के 21 जनपदों में दस-दस डायलसिस यूनिट देने का काम किया गया है। अब संसाधनों की कमी नही है। आशा व आंगनबाड़ी कर्मियों ने टीकाकरण अभियान को निचले स्तर तक ले जाने का काम किया है।

सीएम ने कहा कि अब एम्बुलेंस दिखनी चाहिए। लोगों को पांच से दस मिनट में सुविधा मिलनी चाहिए। हम तो गांव से बस्तियों तक एम्बुलेंस को पहुंचाने में लगे हैं। पहले की तुलना में रिस्पांस टाइम कम हुआ है। जरीब जब हॉस्पिटल में जाता है तो उसको डॉक्टर एयर पैरामेडिकल की सुविधा मिलनी चाहिए न कि दलालों की। हमने देखा कि मरीज को दलाल पास के प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजता है। आयुष्मान भारत योजना से इसमें रोक लगी है। पेशेंट की ईलाज के बाद सम्मानजनक विदाई भी होनी चाहिए। इससे छवि बदलेगी। स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि आज आठ परियोजनाओं का लोकार्पण किया जा रहा है। एएनएम को टेबलेट दी जा रही हैं। 15 जगहों पर यह सुविधाएं दी जा रही हैं। गांव के अंदर अब टोल फ्री नंबर से इलाज होगा।

कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री आज कई योजनाओं का शुभारंभ कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम हुआ है, मातृ मृत्यु दर में गिरावट आई है, संस्थागत प्रसव की संख्या भी बढ़ी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड और आरोग्य कार्ड बांटे।

लखनऊ जागरण
www.jagran.com
दैनिक जागरण
लखनऊ, 2 मार्च 2019

मुख्यमंत्री योगी ने 750 रुपये बढ़ाया आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय

टेली-मेडिसिन, टेली-रेडियोलॉजी तथा 102 व 108 सेवा की नई एंबुलेंस का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य सेवाओं में आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग की सराहना करते हुए उनका मानदेय 750 रुपये बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह रकम परफॉर्मेंस बेस्ड होगी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई सेवाओं का लोकार्पण करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर ढंग से सुविधाएं पहुंचाए जाने और मरीजों से शालीन व्यवहार करने की उम्मीद डॉक्टरों से जताई है।

शुक्रवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री ने लोकभवन में 750 नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (आरोग्य केंद्र) व सौ बिस्तरों के 17 एमसीएच विंग के साथ ही 28 जिलों में टेली-मेडिसिन और 361 सीएचसी में टेली-रेडियोलॉजी सेवा का लोकार्पण किया। उन्होंने 108 सेवा की 712 एंबुलेंस बढ़ाते हुए आरोग्य केंद्रों में कार्यरत एएनएम को टैबलेट वितरित किया, जबकि आयुष्मान योजना से बाहर रह गए गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत गोल्डेन कार्ड सौंपे। इन योजनाओं व सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य विभाग को साधुवाद और प्रदेशवासियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 56 महीने में केंद्र सरकार ने और 23 महीने में राज्य सरकार ने लक्ष्य हासिल करने में सफलता पाई है, जिसमें अधिकारियों से लेकर डॉक्टरों और आशा कार्यकर्ताओं तक की भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आठ एस्पायरेशनल जिलों में डॉक्टर जाना नहीं चाहते थे लेकिन, टेली मेडिसिन से यह कमी दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से दूरदराज गांवों तक लोगों को अच्छी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने श्रावस्ती में इससे आए बदलाव का उदाहरण दिया और हमीरपुर की सीएचसी में अपोलो अस्पताल के डॉक्टर से मरीज के इलाज का प्रेजेंटेशन भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों की कमी के बावजूद स्थानीय कर्मियों के प्रशिक्षित कर टेली-मेडिसिन की सुविधा शुरू की गई। टेली-मेडिसिन से इलाज मिलने के कारण पलायन की प्रवृत्ति और बीमारी से मौत के आंकड़ों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि एएनएम को दिए टैबलेट से मुख्यालय तक तेजी से सूचनाएं पहुंच सकेंगी। आयोजन में स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, परिवार कल्याण मंत्री प्रो.रीता बहुगुणा जोशी, राज्यमंत्री स्वाती सिंह व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

जो गिरतों को संभाल ले... सत्ता मद देती है, संत सहारा लेकिन जब संत सत्ता में हो तो सिर्फ सहारा मिलता है। इसकी एक झलक लखनऊ में दिखी शुक्रवार को लोक भवन में आयोजित स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में जहां महिला के हाथ से गिरे प्रमाण पत्र को उठाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुन: थमा दिया। उधर, इसी कार्यक्रम में फूलों का गुलदस्ता गिरा तो प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय उसे सहेजते नजर आये। एक संगठन और दूसरा सरकार का मुखिया, शायद अफसर और कार्यकर्ता भी प्रेरणा लें • इंदेश पटेल

अस्पतालों में स्टाफ मिले

मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में राउंड दि क्लॉक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टरों व पैरा मेडिकल स्टाफ को हर वक्त तैनात रखने और मरीजों को स्ट्रेचर सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

यूपी के इन जिलों में खुलेंगे एमसीएच विंग

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, बिजनौर, इटावा, गोंडा, मुरादाबाद, रायबरेली, सहारनपुर, अंबेडकरनगर, अमरोहा, बागपत, औरैया, आजमगढ़, बलिया, कन्नौज, महराजगंज, मऊ व कौशांबी में सौ बिस्तरों के मातृ शिशु स्वास्थ्य केंद्र खोले जाएंगे।

टेली सेवाएं शुरू

प्रदेश के 28 जिलों के 250 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेली-मेडिसिन सेवाओं के पहले चरण की शुरुआत मुख्यमंत्री ने गोरखपुर, हमीरपुर, मीरजापुर व बहराइच के 15 टेली-मेडिसिन केंद्रों के शुभारंभ के साथ की। प्रदेश के 361 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेली-रेडियोलॉजी सेवाओं के पहले चरण की शुरुआत लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर के 15 केंद्रों के साथ हुई है।

प्रदेश में अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं का असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा : योगी

लखनऊ संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस राज्य में देश की आबादी का पांचवा हिस्सा जहां रहता हो वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पड़ेगा।

योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश सरकार आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है।

कई जिले विकास की धारा से अलग थे। उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ है। हमारे सामने समयस्या थी कि कई जिलो में कोई चिकित्सक जाना नही चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम

शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग ने उन पर काम किया। उसका परिणाम यह निकला कि वहाँ से पलायन रुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब व्यक्ति को हॉस्पिटल नही जाना पड़ेगा। अब हॉस्पिटल गरीबो के घर पहुचेगा। यह सभी सुविधाएं एक मजबूत सुविधा देने के लिए किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यदि हम अच्छे आरोग्य केंद्र दे दे तो प्रदेश की स्वस्थ्य सुविधाओ को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 15 नए मेडिकल कॉलेज केंद्र सरकार के सहयोग से बनाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य के 53 जिलों को स्वास्थ्य सेवाओं घर घर तक पहुचाने को काम किया जा रहा है। योगी ने इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन, आरोग्य केंद्र एवम एम सी एच विग, टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण किया। उन्होंने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड आरोग्य कार्ड का वितरण किया। उन्होंने कहा कि एक साथ बहुत सारी योजनायें प्रदेश की जनता को दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 55- 56 महीनों के दौरान केन्द्र सरकार तथा 23 महीनों से राज्य सरकार ने बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिये काम किया है। यह एक टीम वर्क है। इसमें सभी ने सहयोग दिया है। प्रदेश की जनता को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं हो, इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि, गोरखपुर, हमीरपुर, मिर्जापुर और बहराइच में कुल 15 टेलीमेडिसिन केंद्रों का शुभारंभ हुआ है। रेडियोलॉजिस्टो की कमी को देखते हुए प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर जिलों में कुल पंद्रह टेली रेडियोलॉजी केंद्रों का शुभारंभ किया गया। 750 और स्वास्थ्य उपकेंद्रों और संबंधित सवास्थ्य केंद्रों में आरोग्य केंद्र को लोकार्पित किया गया। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं जाए, इसके लिए सरकार लागतार काम कर भी रही है।

मातृ व शिशु मृत्यु दर को भी कम करने का काम सरकार ने काम किया है। महीने के अंत तक आरोग्य केंद्र के 2500 सेंटर खोले जाने की योजना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की अहम कड़ी आशा बहुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि, 712 एम्बुलेंस आज 108 में जोड़ी जा रही है। पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि, जब से श्री योगी ने सरकार की कमान संभाली है, तब से स्वास्थ्य विभाग को मजबूत करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में शिशु मृत्यु दर कम हुआ है। मातृ मृत्यु दर भी इस सरकार में कम हुई है। हर बीमारी का दर इस सरकार में कम हुआ है।

अस्पताल को मरीज़ के पास लाई टेलीमेडिसिन तकनीक: मुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री ने किया मार्गों का शिलान्यास

लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया हॉल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में रू. 2262 करोड़ की लागत से बनने वाले 18486 किमी लम्बाई के 11927 मार्गों का शिलान्यास डिजिटल तरीके से किया। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश तथा जनता की ओर से शहीदों के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होने बताया कि लोक निर्माण विभाग के समस्त अधिकारी तथा कर्मचारियों द्वारा अपना एक दिन का वेतन लगभग रू0 4 करोड़ 95 लाख शहीद परिवारों के सहयोग के लिए दिया जायेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवादी हमले एवं सैन्य गतिविधियों में शहीद हुए सभी 15 सैनिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप लोक निर्माण विभाग ने सीआरपीएफ, सेना के शहीद जवानों के गृह स्थानों को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्गों का सुधार-नव निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री ने शिलान्यास किये जाने वाले मार्गों का विवरण देते हुये बताया कि सामान्य मरम्मत के अन्तर्गत रू0 1049 करोड़ की लागत से बनने वाले 9525 किमी लम्बे 6508 मार्ग हैं जबकि विशेष मरम्मत के अन्तर्गत रू0 1213 करोड़ की लागत से बनने वाले 8961 किमी लम्बे 5419 मार्ग हैं। इस प्रकार कुल रू0 2262 करोड़ की लागत से बनने वाले 18486 किमी लम्बे कुल 11927 मार्गों का शुक्रवार को शिलान्यास डिजिटल तरीके से किया गया है जिसका स्थानीय जन प्रतिनिधियों की देख-रेख में कार्य सम्पन्न किया जायेगा।

योगी ने विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूरदराज के इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में टेलीमेडिसिन को क्रांतिकारी कदम बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके जरिए सुदूर गांव में बैठे व्यक्ति को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जा सकती है। योगी ने टेलीमेडिसिन-टेलीरेडियोलॉजी समेत विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहा, हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हम सबका दायित्व है। आपने देखा होगा कि अब हम कैसे टेलीमेडिसिन के जरिए दूर-दराज के क्षेत्रों में भी लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा सकते है। उन्होंने कहा, केन्द्र सरकार द्वारा आंकक्षात्मक जिलों के रूप में चिह्नित 115 जिलों में से आठ उत्तर प्रदेश में है। इनमें सबसे बड़ी समस्या यही थी कि उन जिलों में डॉक्टर जाने को तैयार नहीं होते थे। मगर तकनीक का उपयोग करते हुए कैसे हम व्यापक परिवर्तन ला सकते है, यह टेलीमेडिसिन के जरिए सम्भव हुआ है। भले ही चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं हो, लेकिन टेलीमेडिसिन की वजह से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिली है। इससे बीमारी से मरने के आंकड़ों में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जिलों में अपोलो अस्पताल के जरिए टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। यह सुविधा बेहद प्रभावशाली और क्रांतिकारी हो सकती है। इस प्रकार की सुविधाओं के जरिए डॉक्टर को मरीज के नजदीक लाकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने कहा, वर्ष 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री की भी अभिलाषा थी कि उत्तर प्रदेश में अगर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी देखने को मिलेगा। मुझे खुशी है कि विगत 55 महीनों के दौरान केन्द्र की मोदी सरकार और 23 महीनों की हमारी सरकार ने मिलकर उस लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी हद तक कामयाबी प्राप्त की है। आज भी परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह टीम वर्क का नतीजा है। योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पहले अस्पतालों में दवा उपलब्ध नहीं होती थी। इसे देखकर उच्च न्यायालय को भी टिप्पणी करनी पड़ी थी कि सभी वीवीआईपी को तो स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाती है लेकिन आम आदमी को नहीं। अब यूपी मेडिसिन कार्पोरेशन की स्थापना के बाद हर अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। यह पहले होने वाले बड़े-बड़े खेलों को रोकने का भी प्रभावी प्रयास है। हम फैक्ट्री के दाम पर ही अपने यहां दवा खरीदकर मरीजों को मुफ्त में उपलब्ध करा रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में चिकित्सालय उपेक्षा का शिकार थे। आज आप देख रहे होंगे धीरे-धीरे करके एक-एक चिकित्सालय का आधुनिकीकरण हुआ है। अब नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अस्पताल गरीबों के द्वार पर जा रहा है। इस यूनिट में एक डॉक्टर, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ होगा। इसके जरिए 53 जिलों में गांव-गांव जाकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। (भाषा)

वॉयस ऑफ लखनऊ
शनिवार 2 मार्च, 2019

अस्पताल को मरीज के पास लायी टेलीमेडिसिन तकनीक : योगी

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूरदराज के इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में टेलीमेडिसिन को क्रांतिकारी कदम बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके जरिये सुदूर गांव में बैठे व्यक्ति को भी विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जा सकती है।

योगी ने टेलीमेडिसिन, टेलीरेडियोलॉजी समेत विभिन्न योजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहा, हर नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना हम सबका दायित्व है। आपने देखा होगा कि अब हम कैसे टेलीमेडिसिन के जरिये दूर-दराज के क्षेत्रों में भी लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा सकते हैं।

उन्होंने कहा, केन्द्र सरकार द्वारा आंकक्षात्मक जिलों के रूप में चिह्नित 115 जिलों में से आठ उत्तर प्रदेश में हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या यही थी कि उन जिलों में डॉक्टर जाने को तैयार नहीं होते थे। मगर तकनीक का उपयोग करते हुए कैसे हम व्यापक परिवर्तन ला सकते हैं, यह टेलीमेडिसिन के जरिये सम्भव हुआ है। भले ही चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं ...शेष पृष्ठ 14 पर

लखनऊ में टेलीमेडिसिन-टेली रेडियोलॉजी समेत कई योजनाओं का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अस्पताल को मरीज

हो, लेकिन टेलीमेडिसिन की वजह से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिली है। इससे बीमारी से मरने के आंकड़ों में कमी आयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जिलों में अपोलो अस्पताल के जरिये टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी। यह सुविधा बेहद प्रभावशाली और क्रांतिकारी हो सकती है। इस प्रकार की सुविधाओं के जरिये डॉक्टर को मरीज के नजदीक लाकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा सकती है।

उन्होंने कहा, वर्ष 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री की भी अभिलाषा थी कि उत्तर प्रदेश में अगर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी देखने को मिलेगा। मुझे खुशी है कि विगत 55 महीनों के दौरान केन्द्र की मोदी सरकार और 23 महीनों की हमारी सरकार ने मिलकर उस लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी हद तक कामयाबी प्राप्त की है। आज भी परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वह टीम वर्क का नतीजा है। योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पहले अस्पतालों में दवा उपलब्ध नहीं होती थी। इसे देखकर उच्च न्यायालय को भी टिप्पणी करनी पड़ी थी कि सभी वीवीआईपी को तो स्वास्थ्य सुविधाएं मिल जाती हैं लेकिन आम आदमी को नहीं। अब यूपी मेडिसिन कारपोरेशन की स्थापना के बाद हर अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में दवा की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। यह पहले होने वाले बड़े-बड़े खेलों को रोकने का भी प्रभावी प्रयास है। हम फैक्ट्री के दाम पर ही अपने यहां दवा खरीदकर मरीजों को मुफ्त में उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पहले उत्तर प्रदेश में चिकित्सालय उपेक्षा का शिकार थे। आज आप देख रहे होंगे धीरे-धीरे करके एक-एक चिकित्सालय का आधुनिकीकरण हुआ है। अब नेशनल मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अस्पताल गरीबों के द्वार पर जा रहा है। इस यूनिट में एक डॉक्टर, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ होगा। इसके जरिये 53 जिलों में गांव-गांव जाकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। एक साथ 750 आरोग्य केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। भविष्य में यह संख्या बढ़कर 2150 हो जाएगी।

गोमती तीरे
राजधानी लखनऊ-महानगर
स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
लखनऊ, शनिवार 02 मार्च, 2019

यूपी में स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होंगी तो इसका असर दिखेगा राष्ट्रीय स्तर : योगी

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जिस राज्य में देश की आबादी का पांचवा हिस्सा जहां रहता हो वहां की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पड़ेगा। श्री योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण के बाद कहा कि प्रदेश सरकार आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं अच्छी होंगी तो इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर दिखेगा। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दुर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है। कई जिले विकास की धारा से अलग थे। उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ है। हमारे सामने समयस्या थी कि कई जिलों में कोई चिकित्सक जाना नही चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग ने उन पर काम किया। उसका परिणाम यह निकला कि वहाँ से पलायन रुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब व्यक्ति को हॉस्पिटल नही जाना पड़ेगा। अब हॉस्पिटल गरीबो के घर पहुचेगा। यह सभी सुविधाएं एक मजबूत सुविधा देने के लिए किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यदि हम अच्छे आरोग्य केंद्र दे दे तो प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओ को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 15 नए मेडिकल कॉलेज केंद्र सरकार के सहयोग से बनाए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य के 53 जिलों को स्वास्थ्य सेवाओं घर घर तक पहुचानें को काम किया जा रहा है। श्री योगी ने इस अवसर पर कॉफी टेबल बुक का विमोचन, आरोग्य केंद्र एवम एम सी एच विंग, टेली मेडिसिन और टेलीरेडियोलजी सेवा का लोकार्पण किया। उन्होंने लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड आरोग्य कार्ड का वितरण किया। उन्होंने कहा कि एक साथ बहुत सारी योजनायें प्रदेश की जनता को दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत 55- 56 महीनों के दौरान केन्द्र सरकार तथा 23 महीनों से राज्य सरकार ने बेहतर स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिये काम किया है। यह एक टीम वर्क है। इसमें सभी ने सहयोग दिया है। प्रदेश की जनता को इसका लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आम जन के लिए अच्छी सवास्थ्य सेवाएं हो, इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते हैं। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि, गोरखपुर, हमीरपुर, मिर्जापुर और बहराइच में कुल 15 टेलीमेडिसिन केंद्रों का शुभारंभ हुआ है। रेडियोलॉजिस्टो की कमी को देखते हुए प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी व सीतापुर जिलों में कुल पंद्रह टेली रेडियोलॉजी केंद्रों का शुभारंभ किया गया। 750 और स्वास्थ्य उपकेंद्रों और संबंधित सवास्थ्य केंद्रों में आरोग्य केंद्र को लोकार्पित किया गया। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं जाए, इसके लिए सरकार लागतार काम कर भी रही है। मातृ व शिशु मृत्यु दर को भी कम करने का काम सरकार ने काम किया है। महीने के अंत तक आरोग्य केंद्र के 2500 सेंटर खोले जाने की योजना है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की अहम कड़ी आशा बहुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि, 712 एम्बुलेंस आज 108 में जोड़ी जा रही है। पर्यटन मंत्री रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि, जब से श्री योगी ने सरकार की कमान संभाली है, तब से स्वस्थ्य विभाग को मजबूत करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में शिशु मृत्यु दर कम हुआ है। मातृ मृत्यु दर भी इस सरकार में कम हुई है। हर बीमारी का दर इस सरकार में कम हुआ है।

ऑडिटोरियम लोक भवन में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिये 'गोल्डन कार्ड', 'आरोग्य कार्ड मुख्यमंत्री का पत्र', 'टेबलेट वितरण', 'हेल्थ एंड बिजनेस सेंटर', 'मातृ एवं शिशु कल्याण स्वास्थ्य इकाई', टेलीमेडिसिन/ 'टैलीरेडियोलजी', 'सेवा 102,108 एंबुलेंस सेवा' 'एवं आरोग्य केंद्र' का लोकार्पण किया।

हिन्दी दैनिक
भूमित्र
लखनऊ, शनिवार 02 मार्च, 2019
सहाफत समूह का सहयोगी प्रकाशन
www.dainikbhumitra.com
E-mail:. bhumitra.hindi@gmail.com

'मुख्यमंत्री जन आरोग्य' अभियान की हुई शुरुआत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी के लोकभवन से 'मुख्यमंत्री जन आरोग्य' अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने संबंधित लाभार्थियों के बीच गोल्डन कार्ड एवं आरोग्य कार्ड वितरण किया। इस दौरान उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह और रीता बहुगुणा जोशी भी मौजूद रही। इस मौके पर उन्होंने कहा, +टेलीमेडिसिन के द्वारा अब हम दूर-दराज तक अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं दे सकते है। कई जिले विकास की धारा से अलग थे, उनका विकास हो इसके लिए काम शुरू हुआ। हमारे सामने समस्या ये आती थी कि उन जनपदों में कोई चिकित्सक जाना नही चाहता था। इसलिए तकनीकी के द्वारा हमने बड़ा काम शुरु किया। मुख्यमंत्री ने कहा, +आवश्यक नहीं की मरीज डॉक्टर के पास जाए, हमारी कोशिश है डॉक्टर को मरीज के करीब ले जाए। योगी ने कहा, +दवाओं में खरीद में पहले बड़े-बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। पहले जिला अस्पतालों का बुरा हाल था लेकिन अब उनमें भी सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 1947-2014 तक केवल 13 राजकीय मेडिकल कालेज थे और हम 15 मेडिकल कालेज बना रहे हैं।

लोक भवन में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागो की विभिन्न जनकल्याण परियोजानाओ लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ डा. रीता बहुगुणा जोशी व अन्य

राष्ट्रीय स्वरूप City LIVE

लखनऊ • शनिवार 02 मार्च, 2019

हमने दवा खरीद में होने वाले बड़े खेल को रोका : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज स्वास्थ्य विभाग को बड़ी सौगात दी। लोकभवन में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्र के साथ एमसीएच विंग, टेली-मेडिसिन व टेली-रेडियोलॉजी सेवा, 102 व 108 एंबुलेंस सेवा व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की। इन सभी के साथ योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्रों में कार्यरत जीएनएम व एएनएम कार्यकर्ताओं को टैबलेट भी दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 750 रुपये बढ़ाने का ऐलान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्र के सहयोग से राज्य सरकार ने कार्य किया है। उन्होंने कहा आज 750 आरोग्य केंद्र के साथ स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ प्रदेश में टेलीमेडिसिन व टेलिरेडियोलॉजी सेंटर का लोकार्पण किया। देश की आबादी का पांचवां भाग उत्तर प्रदेश में रहता है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर रहें। स्वास्थ्य विभाग की टीम को नीचे के स्तर से ऊपर तक अच्छा काम करना होगा। अब टेलीमेडिसिन के जरिए सुदूर अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सकती हैं। देश भर में 115 एस्पेरेशनल जिले चुने गए थे। इनमें भी उत्तर प्रदेश के आठ पिछड़े जिलों को हम पटरी पर लाए हैं। यहां डॉक्टर्स की कमी थी। टेलीमेडिसिन की मदद से इन जिलों में स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में दवाओं की खरीद में पहले बड़े बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। पहले जिला अस्पतालों का कैसा हाल था लेकिन अब

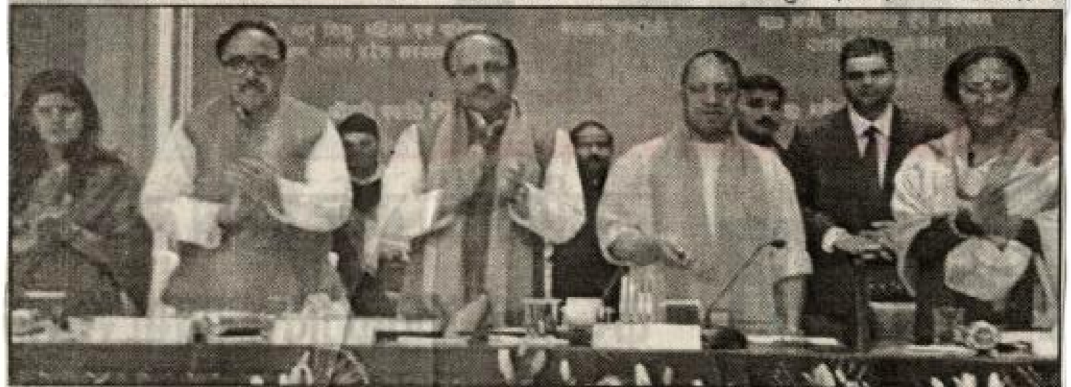

www.avadhnama.com
अवधनामा
लखनऊ, शनिवार, 02 मार्च 2019

हमने दवा खरीद में होने वाले बड़े खेल को रोका: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ विभाग को बडी सौगात दी। लोकभवन में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्र के साथ एमसीएच विंग, टेली-मेडिसिन व टेली-रेडियोलॉजी सेवा, 102 व 108 एंबुलेंस सेवा व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की। इन सभी के साथ योगी आदित्यनाथ ने आरोग्य केंद्रों में कार्यरत जीएनएम व एएनएम कार्यकर्ताओं को टैबलेट भी दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में दवाओं की खरीद में पहले बड़े बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 750 रुपये बढ़ाने का ऐलान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केंद्र के सहयोग से राज्य सरकार ने कार्य किया है। आज 750 आरोग्य केंद्र के साथ स्वास्थ्य उपकेंद्र का उद्घाटन किया गया है। इसके साथ प्रदेश में टेलीमेडिसिन व टेलिरेडियोलॉजी सेंटर का लोकार्पण किया। देश की आबादी का पांचवा भाग उत्तर प्रदेश में रहता है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर रहें। स्वास्थ्य विभाग की टीम को नीचे के स्तर से ऊपर तक अच्छा काम करना होगा। अब टेलीमेडिसिन के जरिए सुदूर अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिल सकती हैं। देश भर में 115 एस्पेरेशनल जिले चुने गए थे। इनमें भी उत्तर प्रदेश के आठ पिछड़े जिलों को हम पटरी पर लाए हैं। यहां डॉक्टर्स की कमी थी। टेलीमेडिसिन की मदद से इन जिलों में स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में दवाओं की खरीद में पहले बड़े बड़े खेल होते थे लेकिन हमने उस पर भी रोक लगा दी है। पहले जिला अस्पतालों का कैसा हाल था लेकिन अब सुधार किए गए हैं। सूबे में 1947 से 2014 तक केवल 13 राजकीय मेडिकल कालेज थे और हम 15 नए मेडिकल कालेज बना रहे हैं। आने वाले समय मे बेहतर सुविधाएं होने जा रही है। आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ लोगों को सीधा लाभ होने जा रहा है। प्रदेश के 21 जनपदों में दस-दस डायलसिस यूनिट देने का काम किया गया है। अब संसाधनों की कमी नही है। आशा व आंगनबाड़ी कर्मियों ने टीकाकरण अभियान को निचले स्तर तक ले जाने का काम किया है। सीएम ने कहा कि अब एम्बुलेंस दिखनी चाहिए। लोगों को पांच से दस मिनट में सुविधा मिलनी चाहिए।